अनुक्रमांक .....
नाम .....

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

101

301(BB)

2026
हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] **[पूर्णांक : 100**

नोट :

i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड – क

1. (क) 'कीर्तिलता' के रचनाकार हैं **1**

(i) रामप्रसाद निरंजनी
(ii) अमीर खुसरो
(iii) सदल मिश्र
(iv) विद्यापति

(ख) हिन्दी के पहले समाचार पत्र 'उदंत मार्तंड' के सम्पादक हैं **1**

(i) किशोरी लाल गोस्वामी
(ii) पं० प्रताप नारायण मिश्र
(iii) पं० जुगल किशोर शुक्ल
(iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) 'हठी हमीर' नाटक है **1**

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का
(ii) प्रताप नारायण मिश्र का
(iii) बालकृष्ण भट्ट का
(iv) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन' का

(घ) 'रेल का विकट खेल' के नाटककार हैं **1**

(i) बालकृष्ण भट्ट
(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(iii) प्रेमचन्द
(iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ङ) 'जहाज का पंछी' किसका उपन्यास है ? **1**

(i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' का
(ii) इलाचन्द्र जोशी का
(iii) जैनेन्द्र का
(iv) मोहन राकेश का

2. (क) 'तुलसीदास' किसकी कविता है ? **1**

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की
(ii) सुमित्रानन्दन पंत की
(iii) गोस्वामी तुलसीदास की
(iv) महादेवी वर्मा की

(ख) 'एक तारा' कविता के रचनाकार हैं **1**

(i) हरिवंशराय बच्चन
(ii) सुमित्रानंदन पंत
(iii) जयशंकर प्रसाद
(iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(ग) 'मिलनयामिनी' के रचनाकार हैं **1**

(i) हरिवंशराय बच्चन
(ii) अमीर खुसरो
(iii) विद्यापति
(iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(घ) 'माखनलाल चतुर्वेदी' की रचना है **1**

(i) युगचरण
(ii) निशा-निमन्त्रण
(iii) क्या भूलूँ क्या याद करूँ
(iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) 'देख रहा हूँ आज विश्व को मैं ग्रामीण नयन से' किसकी पंक्ति है ? **1**

(i) धर्मवीर भारती
(ii) मैथिलीशरण गुप्त
(iii) त्रिलोचन शास्त्री
(iv) सुमित्रानंदन पंत

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **$5 \times 2 = 10$**

विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का एक नया ठाट खड़ा करना है। यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह और अथक परिश्रम द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए। हमारा यह ध्येय है कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रीता न रहे। तभी मातृभूमि की पुष्कल समृद्धि और समग्र रूपमंडन प्राप्त किया जा सकता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक के नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) 'रीता' और 'पुष्कल' शब्दों के अर्थ लिखिए।
(घ) मातृभूमि की पुष्कल समृद्धि किस प्रकार प्राप्त की जा सकती है ?
(ङ) हमारा क्या ध्येय है ?

अथवा

भाग्य को भी मैं इसी तरह मानता हूँ। वह तो विधाता का ही दूसरा नाम है। वे सर्वान्तर्यामी और सार्वकालिक रूप में हैं, उनका अस्त ही कब है कि उदय हो। यानी भाग्य के उदय का प्रश्न सदा हमारी अपनी अपेक्षा से है। धरती का रुख सूरज की तरफ हो जाय, यही उसके लिए सूर्योदय है। ऐसे ही मैं मानता हूँ कि हमारा मुख सही भाग्य की तरफ हो जाय तो इसी को भाग्योदय कहना चाहिए।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।
(ख) भाग्य किसका दूसरा नाम है ?
(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(घ) भाग्य के उदय का प्रश्न किससे है ?
(ङ) 'सर्वान्तर्यामी' और 'सार्वकालिक' शब्दों के अर्थ लिखिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित नीचे लिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **$5 \times 2 = 10$**

मर्त्य मानव की विजय का तूर्य हूँ मैं,
उर्वशी अपने समय का सूर्य हूँ मैं।
अंध, तम के भाल पर पावक जलाता हूँ
बादलों के जीस पर स्पंदन चलाता हूँ।
पर न जाने बात क्या है !
इंद्र का आयुध पुरुष जो झेल सकता है,
सिंह से बाँहें मिलाकर खेल सकता है।
फूल के आगे वही असहाय हो जाता,
शक्ति के रहते हुए निरुपाय हो जाता।

(क) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) 'स्पंदन' व 'आयुध' शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(घ) प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसको संबोधित करके कह रहा है ?
(ङ) उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा रस है ?

अथवा

बांध लेंगे क्या तुझे यह भोग के बंधन सजीले।
पंथ की बाधा बनेंगे तितलियों के पर रंगीले ?
विश्व का क्रंदन भुला देगी मधुप की मधुर गुनगुन
क्या डुबा देंगे, तुझे यह फूल के दल ओस गीले ?
तू न अपनी छाँह को अपने लिए कारा बनाना।
जाग तुझको दूर जाना।

(क) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) 'क्रंदन' और 'कारा' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(घ) इन पंक्तियों में कवयित्री किसको जागने की बात कह रही हैं ?

(ङ) इन पंक्तियों में कवयित्री किन-किन चीजों से दूर रहने की बात कह रही हैं ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) जैनेन्द्र कुमार

(ii) प्रो० जी० सुंदर रेड्डी

(iii) हरिशंकर परसाई

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी कृतियों एवं साहित्यिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

6. कहानी कला के तत्वों के आधार पर 'बहादुर' कहानी की समीक्षा कीजिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'लाटी' कहानी के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का सारांश लिखिए ।

(ख) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के पञ्चम सर्ग (सन्देश सर्ग) का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवण कुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ग) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्रांकन कीजिए ।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(च) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए । 2 + 5 = 7

यदा अयं षोडशवर्षदेशीयः आसीत् तदास्य कनीयसी भगिनीविषूचिकया पञ्चत्वं गता। वर्षत्रयानन्तरमस्य पितृव्योऽपि दिवंगतः। द्वयोरनयोः मृत्युं दृष्ट्वा आसीदस्य मनसि-कथमहं कथं वायं लोकः मृत्युभयात् मुक्तः स्यादिति चिन्तयतः एवास्य हृदि सहसैव वैराग्यप्रदीपः प्रज्वलितः।एकस्मिन् दिवसे अस्तङ्गते भगवति भास्वति मूलशङ्करः गृहमत्यजत्। समदशवर्षाणि यावत् अमरत्वप्राप्त्युपायं चिन्तयन् मूलशङ्करः ग्रामाद् ग्रामं, नगरान्नगरं, वनाद् वनं, पर्वतात् पर्वतम्भ्रमन् परं नाविन्दतातितरां तृप्तिम्।

अथवा

हिन्दी-संस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत्। हिन्दी-हिन्दू-हिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयम् निरन्तरं प्रयत्नमकरोत्। शिक्षयैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति, अतः श्रीमालवीयः वाराणस्याम् काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत्। अस्य निर्माणाय अयम् जनान् धनम् अयाचत जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानाम् दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।
गुणा गुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव॥

अथवा

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए । **2 + 2 = 4**

(क) कविः भोजम् अवलोक्य किम् अचिन्तयत् ?
(ख) कृष्णः दुर्योधनस्य किम् अपरं नाम वदति ?
(ग) के सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि सन्ति ?
(घ) मालवीयः कुत्र अध्यापनम् आरब्धवान् ?

10. (क) 'वात्सल्य' अथवा 'रौद्र' रस की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । **1 + 1 = 2**

(ख) 'उत्प्रेक्षा' अथवा 'अतिशयोक्ति' अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । **1 + 1 = 2**

(ग) 'रोला' अथवा 'कुण्डलियाँ' छन्द की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । **1 + 1 = 2**

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए । **2 + 7 = 9**

(क) मेरे विद्यालय का वार्षिकोत्सव
(ख) कबीरदास की प्रासंगिकता
(ग) जल ही जीवन है
(घ) आतंकवाद : कारण और निवारण
(ङ) समय प्रबन्धन कौशल

12. (क) (i) 'धनुष्टंकार' का सन्धि-विच्छेद है **1**

(अ) धनुष् + टंकारः (स) धनुष + टंकारः

(ब) धनुः + टंकारः (द) धनुस् + टंकारः

(ii) 'हरि वन्दे' का सन्धि-विच्छेद होगा **1**

(अ) हरिम् + वन्दे (स) हरिम + वन्दे

(ब) हरि + वन्दे (द) हरी + वन्दे

(iii) 'नयनम्' का सन्धि-विच्छेद है **1**

(अ) नय + नम् (स) नै + नम्

(ब) ने + अनम् (द) न + यनम्

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक पद का विग्रह करके समास उल्लेख कीजिए : **1 + 1 = 2**

(i) महाशयः (ii) सचक्रम् (iii) चराचरम्

13. (क) (i) निम्न में किन्हीं दो प्रत्यय स्पष्ट कीजिए । **1 + 1 = 2**

'जितः' शब्द में प्रत्यय है

(अ) क्त्वा (ब) क्त (स) तव्यत् (द) अनीयर

(ii) 'धृत्वा' शब्द में प्रत्यय है

(अ) क्त्वा (ब) क्त (स) अनीयर (द) मतुप्

(iii) 'पक्तव्यः' शब्द में प्रत्यय है ।

(अ) तव्यत् (ब) क्त (स) मतुप् (द) क्त्वा

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम लिखिए : **1 + 1 = 2**

(अ) लङ्काम् निकषा सागरः अस्ति ।

(ब) उपाध्यायः छात्रैः सह स्नाति ।

(स) सुग्रीवः रामस्य सखा आसीत् ।

14. छात्रवास में रहने वाले अपने छोटे भाई को व्यायाम का महत्व बताते हुए पत्र लिखिए । **2 + 6 = 8**

अथवा

स्वास्थ्य केंद्र पर आवश्यक सुविधाओं के अभाव के कारण रोगियों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है । इस समस्या पर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराने के लिए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।